भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

केन्द्रीय कमिटी

Date : 31 March 2013

प्रेस विज्ञप्ति

झारखण्ड के चतरा जिला अन्तर्गत लकड़बंधा गांव के हत्याकाण्ड की भर्त्सना करें!

16 अप्रैल, 2013 को भाकपा (माओवादी) द्वारा 24 घंटे भारत बन्द को सफल करे!

विदित हो कि दिनांक 27 मार्च, 2013 को झारखण्ड के चतरा जिला अन्तर्गत कुन्दा थाना के लकड़बंधा गांव में चतरा के एस.पी. अनुप बिरथरे के नेतृत्व में भारी संख्या में झारखण्ड सशस्त्र पुलिस और सीआरपीएफ, कोबरा आदि के बलों ने एक साजिश के तहत टीपीसी (जो 'नक्सलवादी'-'माओवादी' होने का मुखौटा पहनकर दरअसल, पुलिस और खुफिया विभाग के बड़े अफसरों की प्रत्यक्ष देखरेख में संचालित हो रहा है और पुलिस के नेटवर्क से जुड़कर एसपीओ के रूप में काम कर रहा है) को सामने रखकर जन समस्याओं को लेकर गाांव में मीटिंग करने गये भाकपा (माओवादी) के कार्यकर्ता और पीएलजीए के एक दस्ता को चारों तरफ से घेरकर हमला कर दिया। इस लड़ाई के दौरान कुछ लोग शहीद हुए और कुछ लोगों को पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया और उन पर बहुत ही बर्बर तरीके से यातनाएं देकर- किसी की अंगुली काट ली गयी, किसी को पत्थर से कूच-कूच कर मारा गया, किसी को सीना में गोली मारा गया, किसी को सिर पर और किसी के मुंह में बैरल घुसाकर गोली मार कर हत्या कर दी गयी। इसके पश्चात पुलिस अपनी बर्बरता को छुपाने के लिए मीडिया द्वारा यह झूठा प्रचार करवायी कि टीपीसी के साथ मुठभेड़ में दस माओवादी मारे गये। पुलिस उनकी लाश और उनके हथियार को जप्त कर ली है।

दोस्तो, चतरा एसपी के नेतृत्व में झारखण्ड पुलिस, सीआरपीएफ और कोबरा के बलों ने एक साजिश के तहत दस माओवादी क्रान्तिकारियों की हत्या करने की यह घटना कोई नई नहीं है, बल्कि अमरीकी साम्राज्यवाद के दिशा-निर्देशन में उसके विश्वस्त दलाल सोनिया-मनमोहन-सुशील कुमार सिंदे-पी. चिदम्बरम और जयराम रमेश के नेतृत्व में माओवादी क्रान्तिकारी संघर्ष को कुचलने के बूरे मनसूबे से चलाया जा रहा ऑपरेशन ग्रीन हंट नामक बर्बर पुलिसिया दमन अभियान के तहत की जानेवाली बर्बर पुलिसी कार्रवाई का ही एक हिस्सा है। आज इस तरह का बर्बरतापूर्ण पुलिसिया दमन अभियान साम्राज्यवादियों खासकर अमरीकी साम्राज्यवाद की LIC Policy (कम तीव्रतावाला युद्ध नीति) के तहत चलाया जानेवाला छल-बल-कौशलपूर्ण युद्ध अभियान ही है, जिसके तहत पुलिस के द्वारा एसपीओ बनाकर, विभिन्न गुण्डा गिरोह का गठन कर उसकी प्रत्यक्ष देखरेख में संचालन किया जा रहा है तथा उन्हें AK-47 जैसे अत्याधुनिक हथियार मुहैया करके माओवादी क्रान्तिकारियों और क्रान्तिकारी आन्दोलन-समर्थक जनता के ऊपर हमले करवाये जा रहे हैं। ये हमले कहीं टीपीसी, जेपीसी, जेएलटी, पीएलएफआई जैसे गुण्डा गिरोह के द्वारा पुलिस की प्रत्यक्ष देखरेख व मदद पर, कहीं सलवा जुडुम के नाम पर, कहीं सेंद्रा के नाम पर, नागरिक सुरक्षा समिति, ग्राम रक्षा दल, शांति सेना, महात्मा गांधी तंटा मुक्ति संगठन, भैरव वाहिनी, हरमद वाहिनी आदि के नाम पर करवाये जा रहे हैं। विदित हो कि टीपीसी, जेपीसी, जेएलटी, पीएलएफआई आदि हत्यारे गिरोह और नागरिक सुरक्षा समिति, ग्राम रक्षा दल (ये सरकार द्वारा पोषित हैं) झारखण्ड में सक्रिय हैं, जो पुलिस की प्रत्यक्ष देखरेख व मदद से माओवादियों के खिलाफ संचालन किया जा रहा है। 27 मार्च, 2013 को चतरा में घटित घटना भी जो पुलिस द्वारा माओवादी और टीपीसी के बीच मुठभेड़ की घटना के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। दरअसल पुलिस द्वारा

सुनियोजित योजना के तहत साजिशपूर्ण ढंग से किया गया हत्या काण्ड ही यह है।

इस तरह आज अमरीकी साम्राज्यवाद का विश्वस्त दलाल सोनिया-मनमोहन-पी. चिदम्बरम-सुशील कुमार सिंदे-जयराम रमेश माओवादी क्रान्तिकारी आन्दोलन को कुचलने के बुरे इरादे से ऑपरेशन ग्रीन हंट नामक अघोषित युद्ध माओवादी क्रान्तिकारियों सहित शोषित-उत्पीड़ित मेहनतकश जनता के ऊपर थोप दिया है। इस प्रतिक्रान्तिकारी युद्ध अभियान के तहत साजिशपूर्ण ढंग से माओवादी क्रान्तिकारी नेताओं, कार्यकर्ताओं, समर्थक जनता ऐसाकि आम मेहनतकश जनता की बर्बर हत्या व नरसंहार जैसी घटना को अंजाम दिया जा रहा है। चतरा की उपरोक्त हत्या काण्ड व नरसंहार की घटना उसकी ही धारावाहिकता में की गयी साजिशपूर्ण बर्बर पुलिसी कार्रवाई की पुनरावृति है। इसके अलावे कुछ ही दिन पूर्व महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिला अहेरी तहसील के अन्तर्गत गोबिन्द गांव में 19 जनवरी को वहां के एसपी सुवेज हक की साजिश के तहत 6 क्रान्तिकारियों की हत्या की गयी। इसी सिलसिले में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिला के पामेड़ थानान्तर्गत कंचाल गांव के आम आदिवासी किसान महिला और पुरूष को 8 मार्च को झूठी मुठभेड़ में कत्ल कर माओवादी का नाम दिया। वहीं पर नारायणपुर जिलान्तर्गत मंदोड़ा गांव में एक युवक को दिन दहाड़े मार्च दो तारीख को कत्ल कर मुठभेड़ का नाम दिया है। इसके पूर्व का. आजाद, का. कोटेश्वर राव उर्फ किशन जी की हत्या, पूर्वी सिंहभूम के गुड़ाबंधा के साजिशपूर्ण नरसंहार, छत्तीसगढ़ के सरकेगुड़ा का नरसंहार जैसी अनेकों घटनाएं घट चुकी हैं जो उसकी जीती-जागती मिसालें व सबूत हैं।

पुलिसवाले आम जनता को ही नहीं, बल्कि मानव अधिकार कार्यकर्ताओं को भी नहीं बख्श रहे हैं। ओड़िशा में मानवाधिकार कार्यकर्ता दण्डपाणि महंती को 2013 फरवरी में झूठे आरोपों के तहत गिरफ्तार कर UAPA के तहत जेल में ठूंस दिये हैं। आज देश के कई जगहों में खासकर माओवादी संघर्षशील इलाकों में जनता पर भयानक फासीवादी दमन चल रहा है। हमारी पार्टी तमाम जनता छात्र, बुद्धिजीवी, जनवाद प्रेमियों से यह अपील कर रही है कि जहां के वहां जन आन्दोलन निर्माण कर अपना विरोध जताएं।

अमरीकी साम्राज्यवाद तथा उसके विश्वस्त दलाल केन्द्र और राज्य सरकारें इस तरह क्रान्तिकारी आन्दोलनकारी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थक जनता की बर्बर हत्या व नरसंहार कर क्रान्तिकारी आन्दोलन को ध्वस्त करने का कितना ही असफल प्रयास क्यों न करे, कभी भी उनका बुरा मनसूबा सफल नहीं होगा। आखिरकार क्रान्तिकारी जनता उनके बुरे मनसूबों को ध्वस्त करके रहेगी। क्रान्तिकारी जनता चतरा जैसे हत्याकाण्ड को अंजाम देनेवाले हत्यारों व गुनाहगारों को एक दिन अवश्य जन अदालत के कठघरे में खड़ाकर उसे सजा देगी और अपने जनप्रिय नेता का. प्रशांत सहित अपना दस वीर जनयोद्धा का राजनीतिक बदला लेकर रहेगी।

वर्तमान में दुश्मन द्वारा चलाये जा रहे चौतरफा हमले को आज के साम्राज्यवाद, सामंतवाद एवं दलाल नौकरशाह पूंजीपति वर्गों के आर्थिक संकट से अलग करके नहीं देखा जा सकता है। 2008 से जारी साम्राज्यवादी वित्तीय संकट खत्म होने का रास्ता ही नहीं दिख रहा है, बल्कि और दीर्घकालीन रूप लेते जा रहा है। यहां के अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों को लूट कर अपने संकट के दलदल से निकलने की कोशिशों के तहत ही आज के चौतरफा हमले को वे तेज करते जा रहे हैं। इसके अन्तर्सम्बन्ध को समझ कर यहां पर चल रहे व्यापक जन संघर्ष एवं जनयुद्ध के साथ दृढ़ता से खड़ा होने के लिए हमारी पार्टी तमाम जनता और जनवादियों से अपील कर रही है।

भाकपा (माओवादी) की केन्द्रीय कमिटी शोषक-शासक वर्ग के भाड़े के टट्टू पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों द्वारा एक सुनियोजित साजिश के तहत अंजाम दिया गया चतरा-लकड़बंधा नरसंहार की तीव्र निन्दा व कठोर भर्त्सना करते हुए इसके खिलाफ में 16 अप्रैल, 2013 को 24 घंटे भारत बन्द की घोषणा करती है। केन्द्रीय कमिटी किसान-मजदूर, छात्र-नौजवान, मेहनतकश महिलाएं, प्रगतिशील बुद्धिजीवी, कलाकार, शिक्षक, वकील, डॉक्टर, इंजीनियर, छोटे दुकानदार, न्यायपसंद प्रबुद्ध नागरिकों सहित तमाम मेहनतकश जनता से भाकपा (माओवादी) द्वारा आहूत एक दिवसीय भारत बन्द को सफल करने का आह्वान करती है। साथ ही साथ यह आह्वान करती है कि आवें, शोषक-शासक वर्ग द्वारा जनता पर थोपा गया 'ऑपरेशन ग्रीन हंट' नामक अघोषित युद्ध के खिलाफ तथा उसके तहत चलाये जा रहे देश व्यापी बर्बर पुलिसिया जुल्म व दमन-अत्याचार के खिलाफ और चतरा-लकड़बंधा जैसे बर्बरतापूर्ण हत्या-काण्ड के खिलाफ एकजुट होकर जनप्रतिवाद व जनप्रतिरोध आन्दोलन को तेज करें; आवें, वर्तमान इस शोषणमूलक व हत्यारी राजसत्ता को उखाड़ फेंककर नवजनवदी भारत का निर्माण हेतु भाकपा (माओवादी) के नेतृत्व में जारी क्रान्तिकारी आन्दोलन व जनयुद्ध में शरीक हो जाएं।

क्रान्तिकारी अभिवादन के साथ

प्रवक्ता
केन्द्रीय कमिटी
भाकपा (माओवादी)